"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001."

पंजीयन क्रमांक "छत्तीसगढ़/दुर्ग/तक. 114-009/2003/20-1-03."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 14] रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 6 अप्रैल 2007—चैत्र 16, शक 1929

भाग 3 (1)

विविध

निविदा सूचनाएं

बिलासपुर, दिनांक 19 मार्च 2007

निविदा क्रमांक 33/त. शा./का. यं./लो. स्वा./2006-2007.—मुहरबंद एकल समूहवार एकमुश्त निविदाएं प्रपत्र "एफ" में नीचे उल्लेखित नल जल प्रदाय योजनाओं के तहत हेतु टर्न की जाब के आधार पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में दिनांक 17-04-2007 को अपरान्ह 3.00 बजे तक लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, (छ. ग.) के निर्धारित अथवा उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है.

निविदा के तकनीकी प्रस्ताव निम्न तिथि अर्थात् दिनांक 17-04-2007 अपरान्ह 3.30 बजे निविदादाताओं या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोले जावेंगे. निविदा के वित्तीय प्रस्ताव खोलने की तिथि तथा स्थान की सूचना तकनीकी प्रस्ताव खोलने के बाद दी जावेगी.

कार्य का नाम

निम्नलिखित ग्रामीण नलजल योजनाओं के अंतर्गत आरसीसी उच्चस्तरीय जलागार का डिजाईन, निर्माण, परीक्षण व स्थापित करना. (सभी पाईप स्पेशल्स फिटिंग आदि के प्रदाय तथा स्थापना सहित).

यु. क्र.	कार्य स्थल का विवरण	ठेके की संभावित राशि रु. (लाखों में)	धरोहर की राशि रु.	निविदा प्रपत्र का मूल्य रु.	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाऋतु छोड़कर)	ठेकेदारों की श्रेणी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	ग्राम पीपरतराई विकास खंड, कोटा, टंकी की क्षमता 70 के. एल. ऊंचाई 12 मीटर. (प्रथम आमंत्रण-आवर्धन योजना)	5.60	5000/-	750/-	4 माह	A-1/S-1 एवं उससे ऊपर
2.	ग्राम बेलपान विकास खंड, तखतपुर, टंकी की क्षमता 75 के. एल. ऊंचाई 12 मीटर. (प्रथम आमंत्रण-नवीन योजना)	6.00	5000/-	750/-	4 माह	A-1/S-1 एवं उससे ऊपर

शर्तें

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन पत्र दिनांक 13-4-2007 तक (कार्यालयीन अवधि) में प्राप्त किये जावेंगे. कोरे निविदा प्रपत्र एवं संबंधित अभिलेख अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन अवधि में दिनांक 16-04-2007 तक निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं. निविदा प्रपत्र डाक द्वारा मंगवाने पर रुपये 50/- अतिरिक्त शुल्क जमा कर प्राप्त किया जा सकता है, परंतु डाक से विलंब के लिये विभाग उत्तरदायी नहीं होगा. निविदा की अन्य शर्तें कार्यालयीन अवधि में प्राप्त की जा सकती है. पंजीकृत ठेकेदार निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के पूर्व उक्त दोनों ग्रामों का स्थल निरीक्षण कर वर्तमान स्थिति सुनिश्चित कर लेवें. निविदा सूचना छ. ग. के वेबसाइट http/www/chatisgarh/NIC IN/Tender में उपलब्ध रहेगी. ठेकेदार उक्त विज्ञप्ति e-mail के माध्यम से Pramarao@e.g.nic से प्राप्त कर सकते हैं.

आर. के. गेंदले,
कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वा. यां. खंड, बिलासपुर (छ. ग.)

अन्य सूचनाएं

वन मंडलाधिकारी, राजनांदगांव, वन मंडल राजनांदगांव (छ. ग.)

राजनांदगांव, दिनांक 23 मार्च 2007

31
↑
S. D.
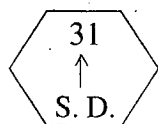
आदेश क्र./मा. चि./8-14/280.—सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पार्श्व में अंकित आकृति का बीट एक्स हेमर, परिक्षेत्र अधिकारी खुज्जी परिक्षेत्र मु. डोंगरगांव, सर्किल उमरवाही के मरकाकसा बीट हेतु निर्गमन किया गया था जो श्री विक्रमसिंह ठाकुर परिसर रक्षक मरकाकसा द्वारा दिनांक 05-03-06 को बीट भ्रमण दौरान अचानक कहीं खो गया. परिक्षेत्र अधिकारी खुज्जी परिक्षेत्र मु. डोंगरगांव ने परिसर रक्षक के आवेदन पर अपने प्रतिवेदन क्रमांक 244 दिनांक 28-03-06 द्वारा सूचित किया है. इस बीट हेमर के गुमने की सूचना पुलिस थाना डोंगरगांव में स्वयं परिसर रक्षक श्री विक्रमसिंह ठाकुर पिता स्व. रमेश सिंह ठाकुर मरकाकसा बीट द्वारा दि. 28-07-06 को रिपोर्ट क्रमांक 63/06 में दर्ज करा दिया गया है.

अत: वन वित्तीय नियम की धारा 124 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए उक्त बीट एक्स हेमर भंडार से अपलेखित किया जाता है तथा उसकी कीमत 33/- रु. वन परिसर रक्षक श्री विक्रमसिंह ठाकुर से वसूल करने का आदेश दिया जाता है तथा लापरवाही बरतने के फलस्वरूप चरित्रावली चेतावनी दी जाती है.

यदि किसी व्यक्ति को उक्त बीट एक्स हेमर मिले तो उसे समीपस्थ पुलिस थाना या वन कार्यालय में जमा करें. यदि कोई व्यक्ति उसे अवैधानिक रूप से रखे हुए या उपयोग करते हुए पकड़ा गया तो उसके विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 63 के अंतर्गत अभियोग लगाया जावेगा तथा वह दंड का भागी होगा.

आई. एन. सिंह,
वन मंडल अधिकारी.

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय, राजनांदगांव से मुद्रित तथा प्रकाशित—2007.